THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HOME AFFAIRS (SHRI JAISUKHLAL HATHI): The information is being collected and will be laid on the Table of the House as early as possible.

624. [Transferred to the 30th March, 1966].

625. [Withdrawn].

ARCHAEOLOGICAL EXCAVATIONS

626. SHRI SITARAM JAIPURIA: Will the Minister of EDUCATION be pleased to state:

(a) whether it is a fact that archaeological excavations have recently been undertaken on the Indian side of the Western Indo-Pakistan border and whether any definite results have so far been achieved; and

(b) if so, the details thereof?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF EDUCATION (SHRI BHAKT DARSHAN): (a) Yes, Sir.

(b) Excavations at Kalibangan, District Ganganagar, Rajasthan, have brought to light a full-fledged settlement of the Indus Civilization, dating to *circa* 2350-1900 B.C., and an earlier civilization going back by another 200-300 years.

The remains of the Indus Civilizations comprise a township, with a regular layout of the streets north-south and eastwest, and a fortified Citadel where the ruler might have lived.

REGIONAL OFFICES OF I.C.C.R.

627. SHRI V. M. CHORDIA : Will the Minister of EDUCATION be pleased to state:

(a) the number of regional offices of the Indian Council for Cultural Relations in the country; and

(b) the annual expenditure incurred on each during the last five years?

THE MINISTER OF EDUCATION (SHRI M. C. CHAGLA): (a) Three, one each in Bombay, Madras and Calcutta.

.

Year				Amount	
				Rs.	
1960-61	••	••	••	57,282 .00	
1961-62	••		••	55,440-00	
1962-63	••	••	••	75,017 00	
1963-64	••	••		72,227 -00	
1964-65	••		••	78,203 ·00	

नशाबन्दी के लिये सामाजिक वातावरण

628. श्री राम सहाय : क्या गृह-कार्य मंत्री यह बताने की क्रुपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार ने टेकचन्द समिति की सिफारिश के अनुसार जनता को नशाबन्दी के लिए राजी करने के वास्ते उचित सामाजिक और मनोवैज्ञानिक वातावरण बनाने का कोई कार्यक्रम बनाया है; और

(ख) यदि हां, तो उस कार्यक्रम का व्यौराक्या है ?

†[SOCIAL CLIMATE FOR PROHIBITION

628. SHRI RAM SAHAI: Will the Minister of HOME AFFAIRS be pleased to state:

(a) whether Government have chalked out any programme for the creation of a proper social and psychological climate for the acceptance of prohibition among the people as per the recommendation of the Tek Chand Committee; and

(b) if so, what are the details of that programme?]

गृह-कार्य मंत्रालय में उप मंत्री (भी वी० सी० शुक्ल) (क) तथा (ख) नशाबन्दी के लिए सरकारी तथा गैर-सरकारी संस्थानों ढारा सामाजिक वातावरण उत्पन्न करने के लिये जनप्रचार तथा शिक्षा कार्य के सिये नशाबन्दी समिति की सिफारिशों को राज्य सरकारों ने सामान्यतः स्वीकार कर लिया है, परन्तु विवरण तैयार करके उनके साथ

[†][] English translation.

विचार विनिमय करना है । नशाबन्दी लोक कार्य क्षेत्रों के रूप में नशाबन्दी पर शिक्षणा-त्मक कार्य करने के लिये केन्द्रीय सरकार ने एक पाइलेट प्रायोजना प्रारम्भ की है । गैर-सरकारी स्वयसेवी संस्थायें इन क्षेत्रो को चलाती है । प्रत्येक क्षेत्र पर वार्षिक व्यय की सीमा 5,000 रुपये है तथा यह व्यय 60 40 के अनुपात से केन्द्रीय सरकार तथा राज्य सरकारें वहन करती है । अखिल भारतीय नशाबन्दी परिषद को (जो नशाबन्दी के लिए कार्य करने वाले गैर-सरकारी सगठनो के लिये केन्द्रीय समन्वय संस्थान है) अधिक सुचारु रूप से कार्य करने के लिये साहाय्य-अनुदान दिया गया है ।

†[THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF HOME AFFAIRS (SHRI V. C. SHUKLA): (a) and (b) The recommendations of the Study Team on Prohibition for massive propaganda and educational work for creating a social climate for prohibition by official and non-official agencies have generally been accepted by the State Governments but details have to be worked out and discussed with them. The Central Government have initiated a pilot project for educational work on prohibition in the shape of Nasha Bandi Lok Karya Kshetras These Kshetras are run by voluntary nonofficial organisations. The expenditure on each Kshetras is limited to Rs. 5,000 per annum and is met by the Centre and States in the ratio of 60:40 The All India Prohibition Council which is a central coordinating body for non-official organisations working for prohibition has also been given a grant-in-aid to enable it to function more effectively.]

विदेशी छात्र वृत्तियों के लिये चुने गये छात्र

629. श्री राम सहाय : क्या शिक्षा मंत्री यह बताने की कृपा करेगे कि :

(क) विदेशी छात्रवृतियों पर विदेशों में अध्ययन करने के लिये 19 दिसम्बर, 1964 तक मांगे गये आवेदन-पत्नों के आधार पर 31 मई, 1965 तथा 1 जून, 1965 को कितने छात्न अंतिम रूप से उस प्रयोजन के लिए चने गये थे; और

(ख) अध्ययन के विषयों का ब्यौरा क्या है और उन छात्रो को किन-किन देशों को भेजा गया है ?

†[STUDENTS SELECTED FOR FOREIGN SCHOLAR-SHIPS

629. SHRI RAM SAHAI Will the Minister of EDUCATION be pleased to state:

(a) the number of students who were finally selected on the 31st May, 1965 and the 1st June, 1965 for study abroad on foreign scholarships on the basis of the applications called for for the purpose up to 19th December, 1964; and

(b) what are the details of the subjects for the studies and the names of the countries to which they have been sent?]

शिक्षा मंत्रालय में उप-मंती (डा० श्रीमती टो० एस० सुन्दरम् रामचन्द्रन्) : (क) माननीय सदस्य का आशय संघीय क्षेत्र समुद्रपार छात्रवृत्ति योजना 1964-65 से है, जिसके अन्तर्गत 5 छात्रवृत्तियों के लिये 5 उम्मीदवार चुने गए।

(ख) इन पाच उम्मीदवारों मे से एक ने छात्नवृत्ति नही ली, क्योकि वह पहले ही अध्ययन के लिए विदेश चला गया था । बाकी चार उम्मीदवार फास मे खनन इंजी-नियरी, इग्लैंड मे औद्योगिक इजीनियरी, अमेरीका मे विद्युत इजीनियरी तथा सिविल इंजीनियरी के एम० एस० पाठ्यक्रमो के लिए चुन लिए गए है। अब तक एक विद्यार्थी सिविल इंजीनियरी के लिये भारत से विदेश चला गया है ।

†[THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF EDUCATION (DR (MRS) T. S. SOUNDARAM RAMACHANDRAN) : (a) The hon. Member refers to Union Territories Overseas Scholarships Scheme, 1964-65 under which 5 candidates were selected against 5 scholarships.

M37RS/66-4

†[] English translation.